अधरो पे धर के बंसी किसको सुना रहे हो लिरिक्स

अधरो पे धर के बंसी,
किसको सुना रहे हो,
इतना बता दे मोहन,
किसको लुभा रहे हो।bd।

तर्ज – फूलों में सज रहे है।

बनकर तेरा दीवाना,
तेरी याद में विचरता,
तेरे लिये कन्हैया,
ये दिल मेरा धड़कता,
अच्छा नहीं जो प्यारे,
नजरे चुरा रहे हो,
इतना बता दे मोहन,
किसको लुभा रहे हो।bd।

एक बात पूछता हूँ,
क्या मैं भी तुमको भाता,
गर प्रेम है बराबर,
फिर क्यों मुझे सताता,
इतना ही कहदे मुझको,
क्यों जुल्म ढा रहे हो,
इतना बता दे मोहन,
किसको लुभा रहे हो।bd।

तेरा रूप है निराला,
तेरी शान है निराली,
ये बागबा है तेरा,
और तू है इसका माली,
'नन्दू' दया दिखा दे,
क्यों भाव खा रहे हो,
इतना बता दे मोहन,
किसको लुभा रहे हो।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी आपके मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com
अधरो पे धर के बंसी,

किसको सुना रहे हो,
इतना बता दे मोहन,
किसको लुभा रहे हो।bd।

Singer – Yogesh Meena
Lyrics – Nandu Ji

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com